

MPPSC SET -2022

SYLLABUS

Subject - PERFORMING ARTS - DANCE

Optional - Paper - II

Code No. : _____

Unit 1. Cultural History of India

- Cultures of India from pre-historic to CE 1200
- Evolution of Art in pre-historic and historic periods, as evidenced in cave paintings, sculptures and other visual representations
- Evolution of dance and drama (*Natya*), (a) the divine origin theory according to *Natyasastra*, and, (b) art as a product of society, its rituals and belief systems
- The *Vedas*, major epics and *puranas* (*Ramayana*, *Mahabharata*, *Cilappadikaram* and *Bhagavatapurana*) in terms of their content, character and relevance to dance and theatre
- Bhakti and various religious movements and their influence on different representative aspects of culture with focus on dance and theatre

Unit 2. Folk and Traditional Theatre Forms of India

- Understanding and defining the terms Tribal, Folk, Traditional and Classical in the context of Indian dance and drama and their interrelation
- Introduction to the different tribal, folk and traditional dance and theatre forms spread over various regions of India
- Introduction to regional theatrical practices of *Kudiattam*, *Yakshagana*, *Bhagavatamela*, *Tamasha*, *Ramalila*, *Rasalila*, *Bhavai*, *Nautanki*, *Jatra*, *Chhau*, *Laiharoba*, *Therukoothu*, *Theyyam*, *Ankia-nat*, *Pandvani*, *Chindu Bhagavata*, *Bhand Jashan* and others
- Awareness of various musical instruments, costumes and make-up used in these forms

Unit 3. The Natyasastra

- Knowledge of *Natyasastra* and the concept of *Natya* and *Nritta*
- Study of chapters relating to the eleven aspects (*ekadash sangraha*) such as, *Abhinayas*, *Dharmis*, *Vrittis*, *Pravrittis* and *Aatodyas*. *Samanya* and *Chitrabhinayas* and their classification
- *Dasarupakas*
- *Natyagraha* (Playhouse) and *Ranga* – Construction, types and different elements
- *Poorvarangavidhi* and Stage conventions viz. *Kakshya vibhag* etc.

Unit 4. Art and Aesthetics

- '*Rasasutra*' of Bharata
- Elaboration of the theory of *Rasa* by commentators like Bhattalollata, Sri Sankuka, Bhattanayaka and Abhinavagupta.
- *Rasa* and its constituent elements, viz., *Sthayi*, *Sanchari* and *Sattvika bhavas* and their corresponding *Vibhavas* and *Anubhavas*
- Definition, purpose and elements of Art
- A brief introduction to Performance studies and significant western theories on Art : 'Art as Imitation/Catharsis', 'as Imagination', 'as Beauty', 'as Communication' and 'as Utility' put forth by various Philosophers

Unit 5. Dance and Theatre forms of East and South Asian Countries

- An overview of dance and theatre forms of East Asian (China, Japan and Korea), South Asian (Bangladesh, Pakistan and Sri Lanka) and South- East Asian (Indonesia, Thailand, Vietnam, Cambodia, Myanmar, Philippines and Laos) countries
- History and presentation techniques of various popular theatre and dance forms of the above countries

DANCE

Unit 6. Dance in Sanskrit Literature and Treatises

- A brief study of references to dance in the works of Kalidasa, Bhasa, Sudraka and others
- General understanding of the concepts relating to dance from texts of ancient and medieval period- *Natyasastra*, *Abhinaya Darpana*, *Sangeeta Ratnakara*, *Nritta Ratnavali* and *Nartana Nirnaya*. Concepts include *Natya*, *Nritta*, *Nritya*, *Lasya*, *Tandava*, *Marga*, *Desi*, *Baddha*, *Anibaddha*, *Nartaki lakshana*, *Sabha lakshana*

and the like. Also specific study of the *padas*, *hastas*, *caris*, *mandalas* and *karanas*, and *anga*, *upanga* and *pratyanga* movements

- Detailed study of *Abhinaya Darpana* along with introduction to other region/form specific texts like *Hasta Lakshana Deepika*, *Balarama Bharatam*, *Abhinaya Chandrika*, *Srihasta Muktavali* and others
- The various categories and typologies of *Nayakas* and *Nayikas* and their *avasthas* according to Bharata's *Natyasastra*, Saradatanaya's *Bhavaprakasana*, Bhanudatta's *Rasamanjari* and Akbar Shah's *Sringaramanjari*

Unit 7. India Classical Dance

- Origin and history of Indian classical dance
- Evolution, technique, costumes, music, Gurus and pioneers of Bharatanatyam, Kathak, Kathakali, Kuchipudi, Manipuri, Mohiniattam, Odissi and Sattriya
- General understanding of major Talas of Hindustani and Carnatic music traditions
- A brief study of Composers/*Vaggeyakaras* and their works including Jayadeva, Narayanateertha, Surdas, Meera Bai, Tulasidas, Vanamalidas, Kshetrayya, Srimanta Shankar Deva, Govindadas, Vidyapati, and others.
- Study of the role of Rabindranath Tagore, Rukmini Devi Arundale, Vallathole Narayana Menon, Madame Menaka and others in the revival and reconstruction of classical dance

Unit. 8 Indian Classical Dance in Independent India

- An overview of major Gurus, performers, their works and important institutions in Independent India
- Institutionalization of dance and its effect on form, pedagogy, repertoire etc.
- The new wave in Indian dance - Its development through the works of Uday Shanker and Ram Gopal and the later major contemporary artists and their works. (eg. Shantibardhan, Narendra Sharma, Sachin Shanker, Mrinalini Sarabhai, Maya Rao, Kumudini Lakhia, Manjusri Chaki Sarkar, Chandralekha, Astad Deboo and others)
- Indian classical dances in diaspora
- Patronage to Dance- the role of government and private bodies
- Awareness of important dance festivals, awardees and current happenings in dance

Unit 9. Dance Education, Pedagogy and Research

- Dance as part of curriculum in school education and Universities
- Movement Analysis based on kinesthetics and Laban system
- Eminent scholars and their works, who contributed significantly to the knowledge of Indian dance

- Key inroads in dance training and research in India from the 1930's to the present like applied areas of dance, therapy, cross- cultural training etc.

Unit 10. International dance and interactions

- Study of the history and development of classical ballet in Europe, Russia and America
- Emergence of Modern Dance in the west and major personalities involved
- Influence of the West on Indian dance in terms of production design

राज्य पात्रता परीक्षा-सेट -22
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इन्दौर
ऐच्छिक प्रश्न पत्र -II

विषय: कला मंच (Performing Arts)-नृत्य,

इकाई-1 भारत का सांस्कृतिक इतिहास

- प्रागैतिहासिक काल से 1200 ईसा सन् तक भारत की संस्कृतियां।
- प्रागैतिहासिक काल से ईसा काल के आरम्भ तक कला का क्रमिक विकास जैसा कि गुफा चित्रकला और मूर्तिकला से प्रकट होता है।
- नृत्य और नाटक (नाट्य) का क्रमिक विकास, (A) नाट्य शास्त्र के अनुसार इन का दैवी उद्भव और (B) कला समाज की देन के रूप में, इसकी अनुष्ठान और आस्था पद्धति।
- वेद, प्रमुख महाकाव्य और पुराण, (रामायण, महाभारत, शिल्पदिकरम् और भागवत पुराण), नृत्य और थिएटर के संदर्भ में उनकी अन्तर्वस्तु, पात्र और प्रासंगिकता।
- भक्ति तथा अन्य धार्मिक आन्दोलन और उनका संस्कृति के विभिन्न प्रतिनिधि पक्षों पर प्रभाव विशेषतः नृत्य और थिएटर पर ध्यान को केंद्रित रखते हुए।

इकाई-2 भारत में लोक तथा पारंपरिक थिएटर का स्वरूप

- भारतीय नृत्य और नाटक के संदर्भ में जनजातीय, लोक, पारंपरिक और शास्त्रीय शब्दावली की समझ और परिभाषा तथा उनका परस्पर संबंध।
- भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित जनजातीय, लोक और पारंपरिक नृत्य और थिएटर के रूपों का परिचय।
- भारत के अन्य क्षेत्रों में नाटक के रूपों यथा कुडिअट्टम, यक्षगण, भागवत मेला, तमाशा, रामलीला, रामलीला, भवाई, नौटंकी, जात्रा, छऊ, लाइहरोबा, तेरुकूनु, थैयम, अंकिया नट पंडवाणी, चिंदू भागवत, भांड जश्न तथा अन्य का परिचय।
- इन रूपों में प्रयोग किये जाने वाले संगीतसाजों और वेश भूषा के प्रति जागरूकता।

इकाई-3 नाट्य शास्त्र

- नाट्य शास्त्र का ज्ञान और नाट्य तथा नृत्य की संकल्पना का बोध।
- एकादश संग्रह के ग्यारह पक्षों यथा अभिनय, धर्मी, वृत्ति, प्रवृत्ति, आत्योदय और सामान्य और चित्र अभिनयों से संबंधित अध्यायों का अध्ययन और उनका वर्गीकरण।
- दशरूपका।
- नाट्य गृह और रंगमंच – संरचना, प्रकार और विभिन्न तत्त्व।
- पूर्वरंग विधि और अन्य मंच परंपरायें यथा कक्ष विभाग इत्यादि।

इकाई-4 कला और सौंदर्य

- भरत का रससूत्र।
- भट्ट लोलट, श्री शंकुक, भट्ट नायक और अभिनव गुप्त जैसे व्याख्याकारों द्वारा रस सिद्धांत का विस्तार।
- रस और इसके मूल तत्त्व यथा स्थायी, संचारी और सात्विक भाव और उनके तदनु रूप विभाव और अनुभाव।
- कला की परिभाषा, प्रयोजन और तत्त्व।
- प्रदर्शन (Performance) अध्ययन और कला के महत्वपूर्ण सिद्धान्तों का परिचय : विभिन्न पाश्चात्य दार्शनिकों द्वारा प्रतिपादित अनुकरण / विरेचन, के रूप में, कल्पना के रूप में, सौंदर्य के रूप में, संप्रेषण के रूप में और उपयोगिता के रूप में कला का परिचय।

इकाई-5 पूर्वी और दक्षिणी एशियाई देशों के नृत्य और थिएटर

- पूर्वी एशियाई (चीन, जापान और कोरिया), दक्षिण एशियाई (बंगलादेश, पाकिस्तान और श्री लंका) और दक्षिण-पूर्व एशियाई (इंडोनेशिया, थाइलैंड, वियतनाम, कम्बोडिया, म्यांमार, फिलिपाइन्स और लओस) देशों के नृत्य और थिएटर के रूपों की समझ।
- उपर्युक्त देशों के विभिन्न प्रचलित थिएटर और नृत्य के रूपों का इतिहास और प्रस्तुतिकरण तकनीक।

नृत्य

इकाई-6 संस्कृति साहित्य में नृत्य और ग्रंथ

- कालिदास, भास, सूद्रक तथा अन्य की रचनाओं में नृत्य संबंधी संदर्भों का संक्षिप्त अध्ययन।
- प्राचीन एवं मध्यकाल की नृत्य से संबंधित ग्रंथों की अवधारणाओं का सामान्य बोध – नाट्य शास्त्र, अभिनय-दर्पण, संगीत रत्नाकर, नृत्य रत्नावली और नृत्य निर्णय। इन अवधारणाओं में नाट्य, नृत्य, लास्य, तांडव, मार्ग, देसी, बद्ध, अतिबद्ध, नर्तकी लक्षण, सभा लक्षण और इसके समरूप सम्मिलित हैं। पादों, हस्तों, चारी, मंडलों, करणों और अंग, उपंग और प्रत्यंग गतियों का विशिष्ट अध्ययन।
- अभिनय दर्पण के विस्तृत अध्ययन के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों / रूपों की प्रस्तावना के रूप में हस्त लक्षण दीपिका, बलराम भारतम्, अभिनय चंद्रिका, श्री हस्तमुक्तावली तथा अन्य विशिष्ट ग्रंथों का परिचय।
- भरत के नाट्य शास्त्र, शारदा तनया के भाव प्रकाशन, भानु दत्त की रस मंजरी और अकबर शाह की शृंगार मंजरी के अनुसार नायक और नायिकाओं के भेद और प्ररूप।

इकाई-7 भारत के शास्त्रीय नृत्य

- भारतीय शास्त्रीय नृत्य का उद्भव और इतिहास।
- भरत नाट्यम्, कथक, कथाकलि, कुचीपूडी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, ओडीसी और सत्रिय का क्रमिक विकास, तकनीक सत्रिय, वेशभूषा, संगीत, गुरु और अग्रदूत।
- हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत परंपरा में प्रमुख तालों की सामान्य समझ।

- स्वरकार / वागेयकार और उनकी रचनाएँ, जिनमें जयदेव, नारायण तीर्थ, सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास, वणमाली दास, क्षेत्रय्य, श्रीमंत शंकरदेव, गोविन्द दास, विद्यापति तथा अन्य सम्मिलित, का संक्षिप्त अध्ययन।
- शास्त्रीय नृत्य के पुनः प्रवर्तन और पुनरूत्थान में रवीन्द्र नाथ टैगोर, रूक्मिणी देवी अरूंदेल, वल्लथोल नारायण मेनन, मैडम मेनका की भूमिका का अध्ययन।

इकाई-8 स्वतंत्र भारत में भारतीय शास्त्रीय नृत्य

- भारत के प्रमुख गुरुओं, अभिनयकर्ताओं के जीवन और कार्य तथा महत्त्वपूर्ण संस्थाओं पर एक विहंगम दृष्टि।
- नृत्य का संस्थायीकरण और तदनु रूप इसका (पेडागाजी), रूप, प्रदर्शनांश इत्यादि पर इसका प्रभाव।
- भारतीय नृत्य में नई लहर – उदय शंकर और राम गोपाल के कार्यों तथा बाद के समकालीन कलाकारों और उनके कार्यों के माध्यम से इसका विकास (अर्थात् शांतिवर्धन, नरेंद्र शर्मा, सचिन शंकर, मृणालिनी साराभाई, माया राव, कुमुदिनी लाखिया, मंजुश्री चाकी सरकार, चंद्रलेखा, अस्तद देबू और अन्य)।
- प्रवासी भारतीयों में प्रचलित भारतीय शास्त्रीय नृत्य।
- नृत्य पृष्ठ पोषक – सरकारी और निजी निकायों की भूमिका।
- महत्त्वपूर्ण नृत्य उत्सव, पुरस्कृत कलाकारों और नृत्य से संबंधित वर्तमान की घटनाएं।

इकाई-9 नृत्य शिक्षण, शिक्षाशास्त्र (पेडागाजी) और शोध

- नृत्य, स्कूली शिक्षा से विश्वविद्यालयी व्यवस्था में पाठ्यक्रम के रूप में।
- पेशी गति विज्ञान (कैनेस्थेटिक्स) और लाबान प्रणाली के आधार पर गति विश्लेषण।
- सुप्रसिद्ध विद्वान और उनका कार्य, जिन्होंने भारतीय नृत्य के ज्ञान में योगदान दिया।
- 1930 के दशक से आज तक भारत में नृत्य के शिक्षण और शोध में बनाये गए मुख्यमार्ग जिनमें नृत्य के अनुप्रयुक्त क्षेत्र, प्रति-सांस्कृतिक शिक्षण तथा इसके समरूप आते हैं। शोध और विद्वता की प्रवृत्तियां।

इकाई-10 अंतरराष्ट्रीय नृत्य और संव्यवहार

- शास्त्रीय बैले का यूरोप, रूस और अमेरिका में इतिहास और विकास।
- पश्चिम में आधुनिक नृत्य का अभ्युदय और उससे संबंधित प्रमुख व्यक्तित्व।
- प्रस्तुति के रूपांकन (डिजाइन) की दृष्टि से भारतीय नृत्य पर पश्चिम का प्रभाव।